



B/12-3

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 17, 1983/भाद्र 26, 1905

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1983/BHADRA 26, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 डी० (1) के अधीन सूचनाएं

पटना, 18 अगस्त, 1983

निर्देश सं० III-826/ अर्जन/ 83-84.-- अतः
मुझे प्रबोध कुमार दूधे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा जाएगा) की धारा 269 (1) के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अर० एस० प्लॉट सं०-871, सब प्लॉट सं०
871/4, खाता सं० 127 है, तथा जो बरियातु, पो०
बरियातु, जिला--राँची में स्थित है और (इससे उपलब्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82
की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों)
और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय नापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम-
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन करने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का
11), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या गवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरधर दास कोठारी

निवासी—कोठारी निवास, पेंनु रोड, कलकत्ता

..... (अंतरक)

(2) श्री नवल किशोर सिंह

निवासी—हरिहर सिंह रोड, मोराबादी, जिला—रांची

..... (अन्तरिम)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आचरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 25 कट्ठा 2 छटांक है एवं जो बरियातु, पो०—बरियातु जिला—रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से बसिका संख्या-I-11045 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरिसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83

मोहर

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar

NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF
THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Patna, the 18th August, 1983

Ref. No. III-826/Acq/83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871/4, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or.

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Girdhar Das Kothari, R/o. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.

..... (Transferer)

(2) Shri Nawal Kishore Singh, R/o. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 23 Kathas 2 Chatak situated at Bariatu. P.O. Baritau, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11045 dated 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date : 18-8-83

Seal : Stamped

निवेश सं० III-827/अर्जन/83-84.--अतः मुझे प्रबोध कुमार दुबे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर एस० प्लॉट सं०-871, सब प्लॉट सं० 871/1, खाता सं०-127 है, तथा जो बरियातु, पो०-बंयातु, जिला--रांची में स्थित है और (इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए प्रतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री गिरधर दास कोठारी

निवासी--कोठारी निवास, पेनुरोड, कलकत्ता

..... (अन्तरक)

(2) श्री राजकुमारसिंह

निवासी--हरिहरसिंह रोड, मोरावादी, जिला--रांची

..... (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 20 कट्ठा है एवं जो बरियातु, पो. बरियातु, जिला-रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से बसिका संख्या-I-11046 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब-रजिस्ट्रार आफ एस्योरेसज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

Ref. No. III-827/Acq/83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871/1, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, R/O. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.
.....(Transferer)
- (2) Shri Raj Kumar Singh, R/O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.
.....(Transferer)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 20 Kathas situated at Baraitu P.O. Baraitu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11046 dated 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurance at Calcutta.

Date : 18-8-83

Seal

निदेश सं० III 828/अर्जन/83-84 :—अतः मुझे प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० प्लॉट सं०-871, सब प्लॉट सं०-871/6, खाता सं०-127 है, तथा जो बरियातु, पो-बरियातु, जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों [अंतरितियों] के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमूल्य के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीन

कर देो के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करी या बचत में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [1922 का 11], आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] या धनकर अधिनियम, 1957 [1957 का 27] के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; जिन्होंने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) को उल्लंघन (1) के अर्थों, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गि र्दर दास काठारी, निवासी—“काठारी निवास,” पनु रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

- (2) श्री विजय कुमार सिंह निवासी—हरिहर सिंह राड, मौराबादी, जिला—राँची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ । उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 22 कट्ठा 3 छटाँक है एवं जो बरियातु, पो०—बरियातु, जिला—राँची में स्थित है और पूर्ण रूप से बसिका संख्या I - 11050 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार ऑफ एस्टीमेटेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है ।

तारीख 18-8-83

मोहर

Ref. No. III-828/Acq/83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871/6, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, R/o. “Kothari Niwas”, Penu Road, Calcutta.
(Transferer)

- (2) Shri Vijay Kumar Singh, R/O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 22 Kathas 3 Chatak situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11050 dated 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Dated : 18-8-83

Seal

पटना, 17 अगस्त, 1983

निर्देश सं० III-833/अर्जन/83-84 :—अतः मुझे प्रबंध कुमार द्वारे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्तअर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० थाना नं० 137 वार्ड नं० 2 सर्किल नं० 9 तोजी नं० 205 खाता नं० 72 प्लॉट नं० 1168 है, तथा जो सालिम पुर अहमद-पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल, से ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरिक्तियों) के बोझ ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती कलावती देवी लड़की राय त्रिभुवन नाथ सहाय और पति घनश्याम बहादुर-शम्भू नाथ वकील के निवास स्थान के नजदीक, रोड नं० 2, सालिम पुर अहमद, पटना । (अन्तरक)

(2) श्री पुनम चन्द एम० मेहता 2. रमेश चन्द्र एम० मेहता 3. प्रवीण चन्दर एम० मेहता 4. विनोद कुमार एम० मेहता पशरान मनसुख लाल जै० मेहता मित्रासी-मुहल्ला लालजी टोला, थाना—गाँधी मैदान पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3630 वर्गगज एवं जो सालिम पुर अहमद पं० वा जिला—पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से बसिया संख्या-11029 दिनांक 23-12-82 में वर्णित है । एवं जिसका निबंध जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

तारीख 17-8-83

मोहर

Patna, 17th August, 1983

Ref. No. III-833/Acq/83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being

the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing thana No. 137 Ward No. 2, Circle No. 9, Tauzi No. 205, Khata No. 72 M. S. Plot No. 1168, situated at Salimpur Ahra, Patna, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Patna on 23-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kalawati Devi D/o Rai Tribhuvan Nath Sahay and W/o Ghanshyam Bahadur near the residence of Shri Shambhu Saran, Advocate Road No. 2 Salimpur Ahra, Patna.

(Transferer)

- (2) Shri Punam Chand M. Mehta (2) Ramesh Chandar M. Mehta, (3) Praveen Chandar M. Mehta (4) Vinod Kumar M. Mehta all sons of late Mansukh Lal J. Mehta R/o. Mohalla Lalji Tola, P.S. Gandhi Maidan, Patna I.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3630 Sqr. ft. situated at mohalla Salimpur Ahra P.O. & District Patna and morefully described in deed No. 11029 dated 23-12-82 registered with D.S. R. Patna.

Date : 17-8-1983

Seal

पटना, 18 अगस्त, 1983

निर्देश सं० III-831/अर्जन/83-84.—अतः मुझे प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर०एस० प्लॉट सं० 871, सब प्लॉट सं० 871/2, खाना सं० 127 है, तथा जो बरियातु, पो० बरियातु, जिला—रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमूल्य में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिना जाँचा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 296 (ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गिरधर दास कोठारी
निवासी—कोठारी निवास, पेंनु रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार सिंह.....
निवासी—हरिहर सिंह रोड,
मोराबादी, जिला-रांची (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ : उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 20 कठठा है एवं जो बरियातु, पो-बरियातु, जिला-रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से दसिका संख्या-I-11044 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83

मोहर

Patna, the 18th August, 1983

Ref. No. III-831/Acq/83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871/2, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and) morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Girdhar Das Kothari, R/o. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.
(Transferer)

(2) Shri Sheo Kumar Singh, R/O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.
(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter

XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 20 Kathas situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11044 date 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date : 18-8-83

Seal : Stamped

निर्देश सं० III-830/अर्जन/83-84 :—अतः मुझे प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी सहायक आयकर अधिकृत अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (1) के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर. एम. प्लॉट सं० 871, सब प्लॉट सं० 871/3, खाता सं० 127 है तथा जो बरियातु पो० बरियातु, जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 22-12-82 की पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अनिश्चित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) का बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय तापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन वार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या वचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपावे में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरधर दास कोठारी

निवासी-“कोठारी निवास”, पेतु रोड़, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री ब्रज मोहन कुमार सिंह

निवासी-हरिहर सिंह रोड़, मोरावादी, जिला-रांची
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 20 कठ्ठा है एवं जो बरियातु पो०-बरियातु, जिला-रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से वर्तमान संख्या I-11052 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार ऑफ एंशोरमेंस कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83

मोहर

Ref. No. III-830/Acq/83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. Plot No. 871, Sub-Plot No. 871/3, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and) morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, R/O. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.
(Transferer)
- (2) Shri Brij Mohan Kumar Singh, R/O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 20 Kathas situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11052 date 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date : 18-8-83

Seal : Stamped

निवेश सं० III-829/अर्जन/83-84 :—अतः मुझे प्रबोध कुमार घूबे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर०एम० प्लॉट सं० 871, सब-प्लॉट सं० 871/5, खाता सं० 127 है तथा जो बरियातु, पो० बरियातु, जिला रांची में स्थित है (और हमसे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री गिरधर दास कोठारी,
निवासी—कोठारी निवास, पनु रोड, कलकत्ता।
(अन्तरक)
- (2) श्री अमय कुमार सिंह
निवासी—हरिहर सिंह रोड, मोराबादी, जिला रांची
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकबा 23 कट्ठा है एवं जो बरियातु, पो० बरियातु, जिला राँची में स्थित है और पूर्ण रूप से बसिका संख्या-I-11051 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार आफ एक्सोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख : 18-8-83

मोहर :

Ref. No. III-829|Acq|83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871|5, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and) morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the

issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, R/o. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.
(Transferer)
- (2) Shri Abhay Kumar Singh, R/O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 23 Kathas situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11051 date 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date : 18-8-83

Seal : Stamped

पटना, 17 अगस्त, 1983

निर्देश सं० III 835/अर्जन/83-84 :—अतः मुझे प्रबोध कुमार दूवे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या थाना नं० 3, तौजी नं० 320 खाता नं० 429, बार्ड नं० 15, एम०एस० प्लॉट नं० 2315 है, तथा जो मौजा सैदपुर, मोहल्ला रामपुर सैदपुर, परगना अजिमाबाद थाना सुलतान गंज जिला पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
- (1) श्रीमती निर्मला देवी जौजे, डा० विजय सिंह निवासी लौहानीपुर थाना कदम कुआं, जिला पटना (अंतरक)
- (2) श्रीमती डा० कमला अचारी जौजे डा० गोविन्द अचारी निवासी राजेन्द्र नगर, रोड नं० 10 क्वाटर नं० 21/डी थाना कदम कुआं, जिला पटना (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4 कट्टा 10 धूर एवं जो मौजा सैदपुर मुहल्ला रामपुर सैदपुर प्रगना अजिमाबाद थाना मुलतान गंज जिला पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से बरसका संख्या 10774 दिनांक 15-12-82 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

तारीख : 17-8-1983

Patna, the 17th August, 1984

Ref. No. III-835/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing thana No. 3, Touzi No. 320, Khata No. 136, Khasra No. 429, Ward No. 15 M. S. Plot No. 2315, situated at Mauza Saidpur, Mohalia Rampur Saidpur, Pargana Azimabad, P.S. Sultanganj, P. (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Patna on 15-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1975).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Nirmala Devi w/o Dr. Vijay Singh, R/o Lohanipur P.S. Kadamkuan, Distt. Patna. (Transferer)
- (2) Shrimati Dr. Kamla Achari W/o Dr. Govind Achasi, Resident of Rajindra Nagar, Road No. 10 Qr. No. 21/D P.S. Kadamkuan, Distt., Patna. (Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4 Katha 10 Dhur situated at mauza Saidpur Mohalla Rampur Saidpur Pragana Azimabad P.S. Sultanganj District Patna more fully described in deed No. 10774 dated 15-12-82 registered with D.S.R., Patna.

Date : 17-8-1983.

Seal :

निर्देश सं० III 834/अर्जन/83-84:—अतः मुझे प्रबोध कुमार द्वारे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (i) के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1 नं० 137 बार्ड नं० 2 सर्किल नं० 9 तोजी नं० 205 खाता 72 प्लॉट नं० 1168 है, तथा जो सालिम पुर अहरा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्गती (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नपा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन

कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कलावती देवी लड़की राय त्रिभुवन नाथ सहाय और पत्नी घनश्याम बहादुर गम्भू नाथ वकील के निवास स्थान के नजदीक, रोड नं० 2, सालिम पुर अहरा, पटना

(अन्तरक)

(2) श्री दल मुख राय ए० साह पिता स्व० ए०के० साह निवासी सालिम पुर अहरा थाना गांधी मैदान पो० कदम कुआं जिला पटना

(अंतर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4.174 वर्ग गज है एवं जो सालिम पुर अहरा पोस्ट वा जिला पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 27-12-82 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 11090, में दिया गया है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

तारीख: 17-8-1963

मोहर

Ref. No. III-834/83-84/Acq.—Whereas, I, P. K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Thana No. 137 Ward No. 2, Circle No. 9, Touzi No. 205, Khata No. 72, M.S. Plot No. 1168; situated at Salimpur Ahra, Patna (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 27-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kalawati Devi, D/o. Rai Tribhuwan Nath Sahay and W/o Ghanashyam Bahadur near the residence of Shri Shambhu Saran. Adv., Road No. 2, Salimpur Ahra, Patna. (Transferer)

Sr. Dalsukh Rai A. Sah, S/o Late Sri A.J. Sah, At : Salimpur Ahra, P.S. Gandhi Maidan P.O. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) objections if any, to

the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4474 sq. ft. situated at Mohalla Salimpur Ahra, P.O. & P.S. District Patna and morefully described in Deed No. 11090; dated 27-12-1982 registered to D.S.R., Patna.

Date : 17-8-1983.

Seal :

पटना, 18 अगस्त, 1983

निदेश सं० III-832/अर्जन/83-84—अतः मुझे प्रबोध कुमार द्वारे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (i) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०एस० प्लॉट सं०-1349, 1350, 1351 एवं 1352, हा० सं०-738 एवं 739, बाईसं०-7 (पुराना) है, तथा जो बालपुर चौक, पेट्रोल पम्प के बगल में पो. बालपुर, जिला—राँची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय राँची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर

देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आम्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुधीर चन्द्र राय, वल्द स्व० प्रमोद चन्द्र राय निवासी लालपुर चौक, पो० लालपुर, जिला-रांची (अन्तरक)

(2) श्री कस्तुर चन्द्र शर्मा, वल्द स्व० सूरजमल शर्मा निवासी लालपुर, पो० लालपुर जिला रांची (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार कट्टा चौदह छटांक जमीन मय एक मंजिला मकान के जो लालपुर चौक, पेट्रोल पम्प के बगल में जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्णरूपेण बसिका संख्या 10340, दिनांक 21-12-82 में वर्णित है और जिला-अवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख: 18-8-83

मोहर:

Patna, the 18th August, 1983

Ref. No. III-832/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing M. S. Plot Nos. 1349, 1350, 1351 & 1352, H. Nos. 738 & 739, Ward No. 7 (Old) situated at Lalpur Chowk, Beside Petrol Pump, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi, (and the morefully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 21-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudhir Chandra Roy S/o Late Pramode Chandra Roy, R/o Lalpur Chowk, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi.

(Transferer)

(2) Shri Kastur Chand Sharma S/o Late Surajmal Sharma, R/o Lalpur, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi.

(Transferee)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property) objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days

from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4 Katha 14 Chatak with single storeyed structures situated at Lalpur Chowk, beside Petrol Pump, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi and morefully described in deed No. 10340 dated 21-12-82 registered with D.S.R. Ranchi.

Date : 18-8-1983.

Seal :

निर्देश सं० III-836/अर्जन/83-84:—अनं मुझे प्रबोध कुमार दुबे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि बसिका संख्या-16658 दिनांक 4-12-82 में वर्णित है, तथा जो मौजा वैजला, नेकरा एवं तेतरी, थाना-सामाराम, जिला रोहतास में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतास (सामाराम) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अनिश्चित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमन्त्रिण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी

द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री/हरिण चन्द्र जैमवाल बन्द-श्री गोखुल बन्द जैमवाल निवासी-पौड़हना-हरन सराय, पो० सामाराम, जिला रोहतास (अन्तरक)
- (2) (1) श्री सधेश्वर सिंह बन्द श्री राधा सिंह
(2) श्री महेन्द्र कुमार बन्द श्री राम अण्ण सिंह दोनों निवासी चन्दनपुरा, पो० तौरनी, जिला रोहतास (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) 1/8 वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा वैजला, थाना-सामाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 डिमिल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा नेकरा, थाना-सामाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (3) 1/8वां हिस्सा, 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तेतरी, थाना-सामाराम जिला-रोहतास में स्थित है।

और जो सभी पूर्ण रूप से बसिका संख्या 16658 दिनांक 4-12-82 में वर्णित है एवं जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रोहतास, सामाराम के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख: 18-8-83

मोहर

Ref. No. III-836/Acq[83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing as described in deed No. 16658 dt. 4-12-82 situated at Mouza Baijla, Nekra and Tetari, P. S. Sasaram, Distt. Rohtas, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtas (Sasaram) on 4-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harish Chandra Jaiswal S/o Sri Gokhul Chandra Jaiswal, R/o-Mohalla-Karan Sarai, P.O.-Sasaram, Dist. Rohtas. (Transferer)

(2) Shri Maheswar Singh S/o Sri Radha Singh, Shri Mahendra Kumar S/o Sri Ram Ashish Singh. Both R/o-Chandanpura, P.O.-Torni, Dist. Rohtas.

(Transferee)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.—

- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

1. 1½th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mbuza Baijla, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas.

2. 1½th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas.

3. 1½th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas, and all morefully described in deed No. 16658 dt. 4-12-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram. Dated 18-8-83

(Seal)

निदेश सं० III-837/अर्जन/83-84— अतः मुझे प्रबोध कुमार दुबे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269(I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि वसिका संख्या-16787 दिनांक 9-12-82 में वर्णित है, तथा जो मौजा—बेजला, नेकरा एवं तेतरी, थाना-सासाराम, जिला रोहतास में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतास (सासाराम) में रजिस्ट्री-कर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चन्द्रकान्ता जैसवाल वरुद श्री गोकुलचन्द जैसवाल निवासी-मुहल्ला करन सराय पो०-सासाराम, जिला-रोहतास (अन्तरक)

(2) (1) श्री सुनील कुमार सिंह वरुद श्री राम नगीना सिंह

(2) श्री मुन्द्रिका सिंह वरुद श्री राधा सिंह, दोनों निवासी—चन्दनपुरा पो० तोरनी, जिला—रोहतास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) 1/8वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा बंजला, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

(2) 1/8वां हिस्सा 30 जिसमल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तेकरा, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

(3) 1/8वां हिस्सा 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तेतरी थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

और जो सभी पूर्ण रूप से बसिका संख्या 16787 दिनांक 9-12-82 में वर्णित है जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रोहतास, सासाराम के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83 मोहर

Ref. No. III-837/Acq/83-84.—Whereas I, P. K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing as described in deed No. 16787 dt. 9-12-82 situated at Mouza Baijla, Nekra and Tetari, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtas (Sasaram) on 9-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandra Kant Jaiswal S/o. Sri Gokhul Chandra Jaiswal, R/o-Mohalla-Karan Sarai, P.O. Sasaram, Dist. Rohtas. (Transferer)

- (2) Shri Sunil Kumar Singh S/o Sri Ram Nagina Singh, Shri Mundrika Singh S/o Sri Radha Singh. Both R/o-Chandan-pura, P.O. Torni, Dist.-Rohtas. (Transferee)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

1. 1½8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas.
2. 1½8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P. S.-Sasaram, Dist.-Rohtas.
3. 1½8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S.-Sasaram, Dist.Rohtas. and all more-fully described in deed No. 16787 dt. 9-12-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram.

निर्देश सं० III-838/अर्जन/83-84:— अतः मुझे प्रबोध कुमार दुबे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269(i) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि बसिका संख्या-16957 दिनांक 18-12-82 में वर्णित है, तथा जो मीजा बेजला, नेकरा एव तैतरी, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतास (सासाराम) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-82

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूशमान प्रतिफल से, ऐसे दूशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हरिश्चन्द्र जैसवाल बल्द स्व० गोखुल चन्द्र जैसवाल निवासी मोहल्ला-करण सराय, पो०-सासाराम, जिला-रोहतास (अन्तरक)
- (2) (1) श्री अशोक कुमार सिंह बल्द श्री राम नगीना सिंह
- (2) श्री ध्रुव नारायण राय बल्द स्व० राधा सिंह दोनों निवासी-चन्दनपुरा, पो० तोरनी, जिला-रोहतास (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) 1/8वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा बैजला, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 दिसमल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा नेकरा, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (3) 1/8वां हिस्सा 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तैतरी, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

और जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या-16957 दिनांक 18-12-82 में वर्णित है एवं जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रोहतास, सासाराम के द्वारा पंजीकृत हैं।

प्रबोध कुमार दुबे, सक्षम पदाधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र
बिहार, पटना
के०आर० राघवन, अपर सचिव

Ref. No. III-838/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. Dubbey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing as described in deed No. 16957 dt. 18-12-82 situated at Mouza Baijla, Nekra and Tetari, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtas (Sasaram) on 18-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harish Chandra Jaiswal S/o Late Gokhul Chandra Jaiswal, R/o-Mohalla-Karan Sarai, P.O.-Sasaram, Dist.-Rohtas. (Transferer)
- (2) Shri Ashok Kumar Singh S/o Sri Ram Nagina Singh, Shri Dhrub Narain Rai S/o Late Radha Singh, Both R/o-Chananpura, P.O.-Torni, Dist. Rohtas. (Transferee)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

1. 1/8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P. S.-Sasaram, Dist.-Rohtas.
2. 1/8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas.
3. 1/8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S.-Sasaram, Dist. Rohtas, and all morefully described in deed No. 16957 dt. 18-12-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram.

P. K. DUBEY, Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income-tax, Acq. Range, Patna.
K. R. RAGHAVAN, Addl. Secy.